'श्री राम शरणम्'
8, रिंग रोड, लाजपत नगर-4, नई दिल्ली-110 024

दिनांक 1. 1. 2001

श्री राम

पूज्यपाद स्वामी सत्यानन्द जी महाराज के परिवार के सभी सदस्यों को गुरुजनों के इस नौकर-चाकर का कोटि-कोटि प्रणाम। नव वर्ष की अमृत-बेला पर पूरे परिवार को हार्दिक बधाई, शुभ एवं मंगल कामनाएं। इसका शुभारम्भ याद दिलाता है, जीवन का लक्ष्य प्राप्त किये बिना ही, वर्ष 2000 भी बीत गया। अभी भी समय है, उठो, जागो और शुभ सोचने का, भला करने का तथा एक सच्चा मानव बनने का सद्संकल्प लो। अन्तर्यामी परमात्मा श्रीराम की पुकार सुनो : " परमार्थी बनो, केवल सोचो मत, बिना तप किये ही आशीर्वाद मत मांगो, तुम मेरे हो, अतिशय प्रिय हो, मैं तुम्हें अत्यधिक प्रेम करता हूं, पल प्रति पल तेरी हर प्रकार से सहायता करने को तत्पर हूं। आज से, अभी से राम नाम की कमाई करना आरम्भ करो, खूब करो, सत्कर्मों की पूंजी संचित करो, मैं हर प्रकार से तुम्हारे साथ हूं। अब तो मेरे आश्वासन को, मेरी कृपा को एवं इस अनमोल अवसर का सदुपयोग करो, सांसारिक सुख के पीछे मत भटकते रहो, उसकी चाह को ही मिटा दो, तनिक सोचो, अब तक क्या हाथ आया ? अविनाशी सुख, परम शान्ति अर्थात परमानन्द की प्राप्ति है जीवन का लक्ष्य। तू एक बूंद

'श्री राम शरणम्'
8, रिंग रोड, लाजपत नगर-4, नई दिल्ली-110 024

दिनांक 1.1.2001

श्री राम

पानी, मेरा ही अंश, तुम्हें अंशी-सागर को प्राप्त करो। यही है राम-मिलन, जीव का अपने घर लौटना। जल्दी करो। मैं कोई नहीं, असंख्य हाथ-बाँहें फैलाये तेरी प्रतीक्षा कर रहा हूँ। मेरा अति सुकोमल हृदय तेरे लिए व्याकुल है, मिलन के लिए तड़प रहा है। अब भी बार-बार निराशा न करना, मुझे और न तरसाओ"।

साधकजनों! मेरे राम की मधुर, परम हितकारी, वात्सल्यपूर्ण वाणी सुनो और उसी पाने के लिए अपना प्रत्येक कर्तव्य निभाते हुए, उसका नित्य, निरन्तर स्मरण बनाये रखो। स्वामी जी फरमाते हैं :

"स्मरण योग बड़ा सुगम कठिन अन्य हैं योग।
हरि दर्शन हरि धाम है, सिमरन करना योग।।"

प्रेम, बधाई एवं जय जय राम।

आशीष

विश्वामित्र

राम राम